शोक - प्रकाश

माननीय सदस्यगण,

विगत सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई राजनेता, खिलाड़ी और आम नागरिक गुज़र गये। उनमे से लाल चंद महतो, हीराराम तूफ़ानी, सुशील कुमार मोदी, महेंद्र नारायण यादव, शांति देवी, एल0 रामदास, डॉ0 रमेश शरण, बुधवा उरांव आदि प्रमुख हैं।

वर्ष 1977, 1990 एवं वर्ष 2000 में दुमरी विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करनेवाले तथा झारखण्ड के प्रथम ऊर्जा मंत्री, लालचंद महतो का दिनांक - 04 अप्रैल, 2024 को निधन हो गया। स्व0 महतो ऐसे जनप्रिये नेता थे जो बेहद विनम्र स्वभाव और झारखण्ड के राजनीति के प्रमुख चेहरा थे। हमने अपना कर्मठ और जनप्रिये नेता को खो दिया है। जिसको भरपाई राजनीतिक जगत में कर पाना कठिन है। हमें उनके निधन से मर्मांतक पीड़ा की अनुभूति हुई है।

वर्ष 1977-80 में एकीकृत बिहार में कांके विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व माननीय सदस्य हीराराम तूफ़ानी का दिनांक 21 जुलाई, 2024 को निधन हो गया। हम उनके निधन से मर्माहत हैं ।

वर्ष 1990 - 1995 एवं वर्ष 2000 में बिहार विधान सभा के सदस्य तथा बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री , पूर्व राज्य सभा सांसद सुशील कुमार मोदी का दिनांक 13 मई 2024 को निधन हो गया। स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी राज्य सभा, विधान सभा एवं विधान परिषद के सदस्य रहने वाले चंद सदस्यों में से एक थे, हम उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

बिहार के पूर्व पथ निर्माण मंत्री तथा समाजवादी नेता महेंद्र नारायण यादव का दिनांक 20 जुलाई, 2024 को निधन हो गया। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

बिहार विधानसभा के पूर्व सदस्या शांति देवी का दिनांक 10 जून, 2024 को निधन हो गया।उन्होंने हवेली खड़गपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। हम उनके निधन से आहत हैं।

पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल एल0 रामदास का दिनांक 15 मार्च ,2024 को निधन हो गया।स्व0 दास वर्ष 1990 से 1993 तक नौसेना प्रमुख रहे ।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री तथा विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ0 रमेश शरण का दिनांक 08 जुलाई ,2024 को निधन हो गया । हम उन्हें एक महान शिक्षक, विद्वान के रूप में सदैव याद रखेंगे।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय एथलीट बुधवा उराँव का दिनांक 19 मार्च, 2024 को निधन हो गया। स्वर्गीय उराँव ने ढाका में 1987 में आयोजित साउथ एशियन गेम में स्वर्ण पदक जीता था। हम उनके निधन से दुखी हैं।

हाथरस में 121 लोगों की मौत की घटना, पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में कंचनजंगा एक्सप्रेस तथा मालगाड़ी में हुई टक्कर में मारे गए लोगों की घटना, छत्तीसगढ़ के बीजापुर ज़िले में दो जवानों एवं जम्मू कश्मीर के कठुआ तथा डोडा ज़िले में जवानों के शहीद होने की घटना अत्यंत ही पीड़ादायक है।